Jon

Chapter 4

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיֵּ֥רַע	और-बुरा-लगा	
אֶל־	को-	H0413
יוֹנָ֖ה	योना	H3124
רָעָ֣ה	बुराई	
גְדוֹלָ֑ה	बड़ी	
וַיִּ֖חַר	और-जला	H2734
לֽוֹ׃	उसे	

> योना इस बात पर प्रसन्न नहीं था कि परमेश्वर ने नगर को बचा लिया था। योना क्रोधित हुआ।

2

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיִּתְפַּלֵּ֨ל	और-प्रार्थना-की	H6419
אֶל־	को-	H0413
יְהוָ֜ה	यहोवा	H3068
וַיֹּאמַ֗ר	और-कहा	H0559
אָנָּ֤ה	हे-कृपया	H0577
יְהוָה֙	यहोवा	H3068
הֲלוֹא־	क्या-नहीं-	H3808
זֶ֣ה	यह	H2088
דְבָרִ֗י	मेरी-बात	H1697
עַד־	जब-तक-	H5704
הֱיוֹתִי֙	मैं-था	H1961
עַל־	पर-	
אַדְמָתִ֔י	अपनी-भूमि	H0127
עַל־	पर-	
כֵּ֥ן	इसी	
קִדַּ֖מְתִּי	मैं-ने-पहले-जल्दी-की	H6923
לִבְרֹ֣חַ	भागने-के-लिए	H1272
תַּרְשִׁ֑ישָׁה	तर्शीश-को	H8659
כִּ֣י	क्योंकि	
יָדַ֗עְתִּי	मैं-ने-जाना	H3045
כִּ֤י	कि	
אַתָּה֙	तू	
אֵֽל־	एल-	H0410
חַנּ֣וּן	अनुग्रही	H2587
וְרַח֔וּם	और-दयालु	H7349
אֶ֤רֶךְ	धीरज	H0750
אַפַּ֙יִם֙	क्रोध-में	H0639
וְרַב־	और-बहुत-	
חֶ֔סֶד	कृपा	
וְנִחָ֖ם	और-पछताने-वाला	H5162
עַל־	पर-	
הָרָעָֽה׃	विपत्ति	

> उसने यहोवा से शिकायत करते हुए कहा, “मैं जानता था कि ऐसा ही होगा! मैं तो अपने देश में था, और तूने ही मुझसे यहाँ आने को कहा था। उसी समय मुझे यह पता था कि तू इस पापी नगर के लोगों को क्षमा कर देगा। मैंने इसलिये तर्शीश भाग जाने की सोची थी। मैं जानता था कि तू एक दयालु परमेश्वर है! मैं जानता था कि तू करूणा दर्शाता है और लोगों को दण्ड देना नहीं चाहता! मुझे पता था कि तू करूणा से पूर्ण है! मुझे ज्ञान था कि यदि इन लोगों ने पाप करना छोड़ दिया तो तू इनके विनाश की अपनी योजनाओं को बदल देगा।

3

Hebrew	Hindi	Strong's
וְעַתָּ֣ה	और-अब	H6258
יְהוָ֔ה	यहोवा	H3068
קַח־	ले-	H3947
נָ֥א	कृपया	H4994
אֶת־	को-	H0853
נַפְשִׁ֖י	मेरी-प्राण	H5315
מִמֶּ֑נִּי	मुझ-से	
כִּ֛י	क्योंकि	
ט֥וֹב	अच्छी	
מוֹתִ֖י	मेरी-मृत्यु	H4194
מֵחַיָּֽי׃	मेरे-जीवन-से	
ס	सेला	

> सो हे यहोवा, अब मैं तुझसे यही माँगता हूँ, कि तू मुझे मार डाल। मेरे लिये जीवित रहने से मर जाना उत्तम है!”

4

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיֹּ֣אמֶר	और-कहा	H0559
יְהוָ֔ה	यहोवा-ने	H3068
הַהֵיטֵ֖ב	क्या-उचित-है	H3190
חָ֥רָה	जलना	H2734
לָֽךְ׃	तुझे	

> इस पर यहोवा ने कहा, “क्या तू सोचता है कि बस इसलिए कि मैं ने उन लोगों को नष्ट नहीं किया, तेरा क्रोध करना उचित है”

5

Hebrew	Hindi	Strong's
וַיֵּצֵ֤א	और-निकला	H3318
יוֹנָה֙	योना	H3124
מִן־	से-	
הָעִ֔יר	नगर	
וַיֵּ֖שֶׁב	और-बैठा	H3427
מִקֶּ֣דֶם	पूर्व-में	
לָעִ֑יר	नगर-के	
וַיַּ֨עַשׂ	और-बनाया	
ל֜וֹ	उसे	
שָׁ֗ם	वहां	H8033
סֻכָּ֗ה	झोपड़ी	H5521
וַיֵּ֤שֶׁב	और-बैठा	H3427
תַּחְתֶּ֙יהָ֙	उस-के-नीचे	H8478
בַּצֵּ֔ל	छाया-में	H6738
עַ֚ד	जब-तक	H5704
אֲשֶׁ֣ר	कि	
יִרְאֶ֔ה	देखे	H7200
מַה־	क्या-	H4100
יִּהְיֶ֖ה	होगा	H1961
בָּעִֽיר׃	नगर-में	

> इन सभी बातों से योना अभी भी कुपित था। सो वह नगर के बाहर चला गया। योना एक ऐसे स्थान पर चला गया था जो नगर के पूर्वी प्रदेश के पास ही था। योना ने वहाँ अपने लिये एक पड़ाव बना लिया। फिर उसकी छाया में वहीं बैठे—बैठे वह इस बात की बाट जोहने लगा कि देखें इस नगर के साथ क्या घटता है

6

וַיְמַן	יְהוָה־	אֱלֹהִים	קִיקָיוֹן	וַיַּעַל	מֵעַל	לְיוֹנָה	לִהְיוֹת	צֵל	עַל־
और-ठहराया	यहोवा-	एलोहीम-ने	रेंड-का-पौधा	और-उगाया	ऊपर-से	योना-पर	होने-के-लिए	छाया	पर-
H4487	H3068	H0430	H7021	H5927		H3124	H1961	H6738	

רֹאשׁוֹ	לְהַצִּיל	לוֹ	מֵרָעָתוֹ	וַיִּשְׂמַח	יוֹנָה	עַל־	הַקִּיקָיוֹן	שִׂמְחָה
उस-के-सिर	छुड़ाने-के-लिए	उसे	उस-की-बुराई-से	और-आनंदित-हुआ	योना	पर-	रेंड-के-पौधे	आनंद
	H5337			H8055	H3124		H7021	H8057

גְדוֹלָה׃
बड़ा

उधर यहोवा ने रेंड़ का एक ऐसा पौधा लगाया जो बहुत तेज़ी से बढ़ा और योना पर छा गया। इसने योना को बैठने के लिए एक शीतल स्थान बना दिया। योना को इससे और अधिक आराम प्राप्त हुआ। इस पौधे के कारण योना बहुत प्रसन्न था।

7

וַיְמַן	הָאֱלֹהִים	תּוֹלַעַת	בַּעֲלוֹת	הַשַּׁחַר	לַמָּחֳרָת	וַתַּךְ	אֶת־	הַקִּיקָיוֹן	וַיִּיבָשׁ׃
और-ठहराया	एलोहीम-ने	कीड़ा	चढ़ने-पर	प्रभात-के	अगले-दिन	और-मारी	को-	रेंड-के-पौधे	और-सूख-गया
H4487	H0430		H5927	H7837	H4283	H5221	H0853	H7021	H3001

अगले दिन सुबह उस पौधे का एक भाग खा डालने के लिये परमेश्वर ने एक कीड़ा भेजा। कीड़े ने उस पौधे को खाना शुरू कर दिया और वह पौधा मुरझा गया।

8

וַיְהִי	כִּזְרֹחַ	הַשֶּׁמֶשׁ	וַיְמַן	אֱלֹהִים	רוּחַ	קָדִים	חֲרִישִׁית	וַתַּךְ	הַשֶּׁמֶשׁ	עַל־
और-हुआ	उगने-पर	सूर्य	और-ठहराया	एलोहीम-ने	हवा	पूर्वीय	चिलचिलाती	और-मारा	सूर्य-ने	पर-
H1961	H2224	H8121	H4487	H0430	H7307	H6921	H2759	H5221	H8121	

רֹאשׁ	יוֹנָה	וַיִּתְעַלָּף	וַיִּשְׁאַל	אֶת־	נַפְשׁוֹ	לָמוּת	וַיֹּאמֶר	טוֹב	מוֹתִי
सिर	योना-के	और-मूर्छित-हुआ	और-उसने-चाही	को-	अपनी-प्राण	मरने-के-लिए	और-कहा	अच्छी	मेरी-मृत्यु
	H3124	H5968	H7592	H0853	H5315	H4191	H0559		H4191

מֵחַיָּי׃
मेरे-जीवन-से

सूरज जब आकाश में ऊपर चढ़ चुका था, परमेश्वर ने पुरवाई की गर्म हवाएँ चला दीं। योना के सिर पर सूरज चमक रहा था, और योना एक दम निर्बल हो गया था। योना ने परमेश्वर से चाहा कि वह वह उसे मौत दे दे। योना ने कहा, “मेरे लिये जीवित रहने से अच्छा है कि मैं मर जाऊँ।”

9

וַיֹּאמֶר	אֱלֹהִים	אֶל־	יוֹנָה	הַהֵיטֵב	חָרָה־	לְךָ	עַל־	הַקִּיקָיוֹן	וַיֹּאמֶר	הֵיטֵב
और-कहा	एलोहीम-ने	को-	योना	क्या-उचित-है	जलना-	तुझे	पर-	रेंड-के-पौधे	और-कहा	उचित-है
H0559	H0430	H0413	H3124	H3190	H2734			H7021	H0559	H3190

חָרָה־	לִי	עַד־	מָוֶת׃
जलना-	मुझे	तक-	मृत्यु
H2734		H5704	H4194

किन्तु परमेश्वर ने यहोवा से कहा, “बता, तेरे विचार में क्या सिर्फ इसलिए कि यह पौधा सूख गया है, तेरा क्रोध करना उचित है” योना ने उत्तर दिया, “हाँ मेरा क्रोध करना उचित ही है! मुझे इतना क्रोध आ रहा है कि जैसे बस मैं अपने प्राण ही दे दूँ!”

10

וַיֹּאמֶר	יְהוָה	אַתָּה	חַסְתָּ	עַל־	הַקִּיקָיוֹן	אֲשֶׁר	לֹא־	עָמַלְתָּ	בּוֹ	וְלֹא
और-कहा	यहोवा-ने	तू-ने	तरस-खाई	पर-	रेंड-के-पौधे	जिस-में	नहीं-	तू-ने-मेहनत-की	उस-पर	और-नहीं
H0559	H3068		H2347		H7021		H3808	H5998		H3808

גִדַּלְתּוֹ	שֶׁבִּן־	לַיְלָה	הָיָה	וּבִן־	לַיְלָה	אָבָד׃
तू-ने-उसे-बढ़ाया	जो-पुत्र-	रात-के	हुआ	और-पुत्र-	रात-के	नाश-हुआ
H1431		H3915	H1961		H3915	H0006

इस पर यहोवा ने कहा, “देख, उस पौधे के लिये तूने तो कुछ भी नहीं किया! तूने उसे उगाया तक नहीं। वह रात में फूटा था और अगले दिन नाश हो गया और अब तू उस पौधे के लिये इतना दु:खी है।

11

וַאֲנִי	לֹא	אָחוּס	עַל־	נִינְוֵה	הָעִיר	הַגְּדוֹלָה	אֲשֶׁר	יֶשׁ־	בָּהּ	הַרְבֵּה	מִשְׁתֵּים־
और–मैं	नहीं	तरस–खाऊं	पर–	नीनवे	नगर	बड़े	जिस–में	हैं–	उस–में	बहुत	से–बारह–
H0589	H3808	H2347		H5210				H3426			H8147

עֶשְׂרֵה	רִבּוֹ	אָדָם	אֲשֶׁר	לֹא־	יָדַע	בֵּין־	יְמִינוֹ	לִשְׂמֹאלוֹ	וּבְהֵמָה	רַבָּה׃
दस	हज़ार	मनुष्य	जो	नहीं–	जानते	बीच–में–	अपने–दाहिने	अपने–बाएं–में	और–पशु	बहुत
H6240	H7239	H0120		H3808	H3045	H0996	H3225	H8040	H0929	

> यदि तू उस पौधे के लिए व्याकुल हो सकता है, तो देख नीनवे जैसे बड़े नगर के लिये जिसमें बहुत से लोग और बहुत से पशु रहते हैं, जहाँ एक लाख बीस हजार से भी अधिक लोग रहते हैं और जो यह भी नहीं जानते कि वे कोई गलत काम कर रहे हैं, उनके लिये क्या मैं तरस न खाऊँ!”